Sl.No. :

नामांक Roll No.

यहाँ से काटिए

No. of Questions – 3

No. of Printed Pages – 7

SS–34–1-T.W.(Hindi)(Supp.)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2018

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2018

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING HINDI)

समय : 1 **घण्टा**

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें।

3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है।

4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है।

5) प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक सजावट के निर्धारित है।

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

1) निम्न अवतरण को टंकित कीजिए:

अंक = 18

सजावट = 2

कुल = 20

युग बदलने का योग

21 जून को 'विश्व योग दिवस' मनाया जाता है। यह इस सत्य का उद्‌घोष है कि भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति बनने की ओंर गतिशील हो चुकी है। नवयुग का दृश्यमान अवतरण प्रभातकाल के अरूणोदय के समतुल्य माना जाए तो उसकी किरणें भारतीय संस्कृति के अजस्त्र अनुदानों को विश्वभर में वितरण करती हुई दिखाई देंगी। सूक्ष्म कितना भी प्रचण्ड क्यों न हो, उसका दृश्य स्वरूप, स्थूल घटनाक्रमों के रूप में ही दृष्टिगोचर होता है। मानवीय सत्ता चेतन होने के कारण सूक्ष्म है। जीवात्मा का स्वरूप आँखों से नहीं देखा/ जा सकता, जो भी उसका परिचय शरीर के रूप में मिलता है। ठीक इसी प्रकार नवयुग की हलचलों को, इक्कीसवीं सदी में उज्ज्वल भविष्य के आगम को, इन दिनों भारतीय संस्कृति के विश्वव्यापी होने के रूप में निहारा जा सकता है। 21 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व योग दिवस', परिवर्तन और सृजन की सामयिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उठाया जा रहा एक महत्वपूर्ण कदम है।

विगलित का अभिनव के रूप में प्रत्यावर्तन ही युग – परिवर्तन है। आज व्यक्ति में दुष्टता और समष्टि में भ्रष्टता के तत्व बढ /गए है। समूहगत सहकारिता, कुंठित हो गई है। संकीर्ण स्वार्थपरता का बोलबाला है। प्रवृत्तियाँ सर्जन का बहाना भर करती हैं। व्यवहार में ध्वंस ही उसकी दिशाधारा है। ऐसी दशा में बडे परिवर्तन से कम से काम नहीं चल सकता है। प्रवाह को उलटना बड़ा काम है। विशेषतया जब निकृष्टता की सडक पर सरपट घुड़दौड़ मच रही हो तो पवमानों की लगाम पकड़ना और उन्हें रूकते ही, उलटने के लिए विवश करना न केवल एक बहुत बड़ा काम है, बल्कि उसके साथ ही अति कठिन भी, श्रम साध्य भी और / साधन साध्य भी है। क्रांतियों की बातें करना सरल है, योजनाएँ बनने में भी देर नहीं लगती, किन्तु उन्हें कर दिखाना और सफल बनाना दुष्कर होता है।

इस दृष्टि से क्षैत्रीय और सामयिक क्रांतियां भी आंशिक रूप से ही सफल हो पाती हैं। फिर 600 करोड़ मनुष्यों की मन: स्थिति बदल देना कितना कठिन कार्य है। इसकी कल्पना करने पर सामान्य बुध्दि उतनी ही हतप्रम हो जाती है, जितनी कि ब्रह्माण्ड के विस्तार और उसके अंतराल में उमड़ती हुई हलचलों को देखकर होती है। फिर भी काम तो काम ही है। / महाकाल के सुनिश्चित संकल्प को पूरा तो होना ही है, वह होकर ही रहेगा। दूसरा विकल्प भी तो नहीं। यह जीवन और मरण का चौराहा है, जहाँ आज की दुनिया आ खड़ी हुई है। यहाँ से आगे बढने के लिए दो ही मार्ग है – एक सर्वनाश,दुसरा नवसर्जन। सर्वनाश के दृश्य तो दुनिया देख ही रही है। नवसृजन के अरूणोदय को भारतीय संस्कृति की स्वीकृति व व्यापकता के रूप में देखा जा सकता है। 21 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व योग दिवस' इसी का एक प्रकट प्रमाण है।

'विश्व योग दिवस' का अर्थ है – स्वस्थ जीवन – स्वच्छ जीवन के लिए विश्वव्यापी अलख जगाना। विश्व मानवता की इस सच्चाई के लिए तो पहले भी कई चिकित्सा विधियौ प्रचलित प्रचारित रही हैं। चिकित्सालय व चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी नही रह गई है, परन्तु अब से सब विश्व मानव को पर्याप्त नहीं लग रह गयी है। अब कहीं न कहीं सबको एहसास होने लगा है कि स्वास्थ्य के लिए औषधियाँ पर्याप्त नहीं हैं, जीवन का स्वच्छ होना भी जरूरी है। इस स्वच्छ जीवन को साफ सफाई तक सीमित नहीं रखा जा सकता / है। इसमें परिमार्जित जीवन शैली के सभी तत्व शामिल हैं। सच तो यह है कि स्वच्छ जीवन शैली का परिणाम व प्रमाण है – स्वस्थ जीवन। स्वस्थ जीवन शैली की माँग को स्वच्छ जीवन ही पूरा कर सकता है।

योग का प्रकट रूप भले ही आसन – प्राणायाम जैसी क्रियाओं में दिखता है, पर इसका अदृश्य आधार यम नियम में ही समाहित है। यह सच है कि कुछ लोगों ने योग की प्रक्रियाओं व प्रयासों को शारीरिक व्यायाम तक सीमित कर दिया है। वस्तुत: यह इतना स्वल्प व सीमित नहीं है।

2) निम्नलिखित पत्र को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए:–

अंक

टंकण = 8

सजावट = 2

कुल = 10

बोहरा एण्ड सन्स

''पुस्तक एवं स्टेशनर्स विक्रेता''

तार का पता – स्टेशनरी

टेलीफोन नं: 255511

पत्र क्रमांक – 518/17

स्टेशन रोड,

खारी बावडी के पास,

करनाल

12 अप्रेल, 2017

मैसर्स

मगन – गगन प्रकाशन,
माडर्न कॉलेज रोड,
मथुरा।

विषय : – पुस्तक सूची एवं मूल्य सूची मंगवाने बाबत।

प्रिय महोदय,

हमें यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हम पिछले 2 वर्ष से पुस्तक एवं स्टेशनरी का व्यापार कर रहे हैं। हमारा व्यापार निरन्तर प्रगति की और अग्रसर है। इससे पूर्व हमारी एक ब्राँच खारी बावड़ी चामुण्डा बाजार लखनऊ में भी पिछले 5 वर्ष से चल रही है। हमें समाचार पत्रों एवं व्यावसायिक पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि आप मथुरा के प्रमुख पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेताओं में से एक है। साथ ही यह भी जानकारी मिली है कि आप द्वारा की गई सप्लाई अन्य पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेताओं की अपेक्षा आसान शर्तों पर होती है।

हम आपसे व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं, ताकि आपके ओर हमारे बीच व्यावसायिक तालमेल के अनुसार पुस्तक एवं स्टेशनरी के बाजार में ख्याति स्थापित हो सके।

कृपया हमें आपके द्वारा विक्रय की जा रही पुस्तकों की सूची एवं स्टेशनरी के सामान की सूची मय अंकित मूल्य के भेजने का कष्ट करें। साथ ही आपकी आकर्षक व्यापारिक शर्तों का विवरण भी प्रेषित करें।

भवदीय

बोहरा एण्ड सन्स के लिए

पूर्वांश

(साझेदार)

3) निम्नलिखित सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए:

अंक

टंकण = 8

सजावट = 2

कुल = 10

7

स्टील एवं फर्नीचर वर्क्स

आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण

क्र.सं.	सामग्री विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा शुल्क	आपूर्ति अवधि
1)	कम्प्यूटर	3.00	5000	100	1 माह
2)	कम्प्यूटर टेबल	1.50	3000	100	1 माह
3)	स्टील अलमारी	1.50	2000	100	1 माह
4)	कुर्सियाँ	1.50	2000	100	1 माह
5)	टेबल (लकड़ी)	1.50	2000	100	1 माह
6)	स्टूल (लकड़ी)	1.50	2000	100	1 माह
7)	टेबल स्टील	2.50	2000	100	1 माह
8)	स्टूल स्टील	1.50	2000	100	1 माह
9)	कार्यालय टेबल	2.00	2000	100	1 माह
10)	कुर्सिया केन	1.00	1000	100	1 माह

DO NOT WRITE ANYTHING HERE